2025 तक हृदय रोगियों की संख्या होगी 33 करोड़

अम्बाला शहर, 26 दिसम्बर (रीटा): यदि हमने अपनी जीवन शैली में खानपान व रहन-सहन के ढंग को नहीं बदला तो वर्ष 2025 तक हमारे देश में हृदय रोगियों की तादात मौजूदा 12 करोड़ से बढ़कर 33 करोड़ हो जाएगी। यह जानकारी मैदांता (दि मैडीसिटी) गुड़गांव के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. एस.के. तनेजा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। गौरतलब है कि अम्बाला हैल्थ केयर एवं वैल्फेयर सोसायटी के सहयोग से पंचायत भवन में लगाए गए नि:शुल्क हार्ट चैकअप कैंप में मैंदाता के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. एस.के. तनेजा, डा. के.पी. सिंह, डा गगनदीप सिंह तथा न्यूरोलोजिसट डा. दलीप सिंह द्वारा 1140 रोगियों की जांच की गई।

हृदय रोग वंशानुगत होने की भी संभावना : डा. तनेजा ने बताया कि उक्त रक्तचाप, क्लोस्ट्रोल, मधुमेह, मोटापा, तनाव, हृदय रोग के मुख्य कारण हैं। उन्होंने बताया कि हृदय रोग वंशानुगत होने की भी संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को चलते वक्त सांस चढ़ता है, छाती या बाजुओं में दर्द रहता है, घबराहट होने के साथ-साथ पसीना आता है तो उसे तुरंत किसी योग्य डाक्टर से ई.सी.जी. सहित जांच करानी चाहिए।

दवाइयों से ज्यादा परहेज की आवश्यकता : हृदय रोग विशेषज्ञ डा. के.पी. सिंह ने बताया कि मधुमेह के रोगियों को रोग को नियंत्रण करने के लिए दवाइयों से ज्यादा परहेज की आवश्यकता है। ऐसे रोगी अपने भोजन को नियंत्रित करके 60 प्रतिशत रोग पर काबू पा सकते हैं।